

में भोला पर्वत का

में भोला पर्वत का वासी हूँ निवासी हूँ,
में भोला पर्वत का वासी हूँ निवासी हूँ.....

में भोला पर्वत का वासी तू क्यू बनान लगी दासी,
में भोला पर्वत का वासी तू क्यू बनान लगी दासी,
अरे जिद अपनी तू छोड़ दे मन,
मन मुझसे अपना मोड ले,
में ही आदी मैं अनंत हूँ,
में दानव मैं ही संत हूँ,
में भोला पर्वत का वासी हूँ निवासी हूँ.....

शफरी से मिलते नैन तेरे,
मेरे नैन मैं अग्नि जलती है,
मेने विष में कंठ सजया है,
तेरे रूप से मयूरी खिलती है,
शफरी से मिलते नैन तेरे,
मेरे नैन मैं अग्नि जलती है,
मेने विष में कंठ सजया है,
तेरे रूप से मयूरी खिलती है,
एक डेरा तेरे दिल में मेरा,
एक डेरा मेरा पर्वत मैं,
में भोला पर्वत का वासी हूँ निवासी हूँ,
में भोला पर्वत का वासी हूँ निवासी हूँ.....

मेरी डाल दो भवरिया भोले जी के संग,
मेरी डाल दो भवरिया भोले जी के संग,
भोले जी के संग जट्टाधारी जी के संग,
भोले जी के संग जट्टाधारी जी के संग,
मेरी दाल दो भवरिया भोले जी के संग,
मेरी दाल दो भवरिया भोले जी के संग.....

मृग चल ओढ़ कर बैठा हूँ,
तुझे भावे रेशम के जोड़े,
नंदी की करू सवारी मैं,
मेरे पास नहीं हाथी घोड़े,
मृग चल ओढ़ कर बैठा हूँ,
तुझे भावे रेशम के जोड़े,
नंदी की करू सवारी मैं,
मेरे पास नहीं हाथी घोड़े,
घनघोर अघोरी कहलाऊ,
कहलाता हूँ कैलाशी मैं,
में भोला पर्वत का वासी हूँ निवासी हूँ,

मैं भोला पर्वत का वासी हूँ निवासी हूँ,
मैं भोला पर्वत का वासी हूँ निवासी हूँ,
मैं भोला पर्वत का वासी हूँ निवासी हूँ.....

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28274/title/main-bhola-parvat-ka>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |